राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 319 | जौनपुर | बुधवार, 09 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भारत-अमेरिका ट्रेड डील की खबरों के बीच भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में कर रहा कारोबार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा कि है कि भारत के साथ जल्द ट्रेड डील हो सकती है इस बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू बेंचमार्क सूचकांक मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। सुबह करीब 9.30 बजे, सेंसेक्स 91.57 अंक या 0.11 प्रतिशत बढ़कर 83,534.07 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 22.25 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 25,483.55 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में आईटी, पीएसयू बैंक और फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में खरीदारी देखी गई। विश्लेषकों के अनुसार, 14 देशों पर टैरिफ लगने और भारत को सूची से बाहर करने से संकेत मिलता है कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक व्यापार समझौते की घोषणा की जाएगी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके विजयकुमार ने कहा, इसे बाजार द्वारा पहले ही काफी हद तक छूट दी जा चुकी हैय फार्मास्यूटिकल्स जैसे सेगमेंट पर संभावित सेक्टोरल टैरिफ की डिटेल्स हैं। मार्केट रिएक्शन इन डिटेल्स पर निर्भर करेगा। विशेषज्ञों ने कहा कि पिछले कारोबारी सत्र में निफ्टी थोड़ा ऊपर बंद हुआ और पिछले सत्र से बुलिश हैमर पैटर्न को फॉलो करते हुए एक ग्रीन कैंडलस्टिक बनाई। चॉइस ब्रोकिंग के तकनीकी विश्लेषक मंदार भोजने ने कहा, 25,500 स्तर से ऊपर की निरंतर चाल 25,750 की ओर आगे की रैली का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। नीचे की ओर, तत्काल समर्थन स्तर 25,222 और 25,120 पर देखे जा रहे हैं, जो लॉन्ग पॉजिशन के लिए संभावित एंट्री पॉइंट के रूप में काम कर सकते हैं।

एजबेस्टन की हार पर एंडरसन की इंग्लैंड को नसीहत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा. सीरीज अभी एक–एक से बराबरी पर खड़ी है, क्योंकि इंग्लैंड को एजबेस्टन टेस्ट में भारत के हाथों 336 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था, जबकि लीड्स टेस्ट में भारत 5 विकेट से हारा था. दूसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन ने हर किसी का दिल जीत लिया, क्योंकि टेस्ट इतिहास में पहली बार भारत ने एक मैच में 1014 रन बनाए थे. जिसमें सिर्फ कप्तान शुभमन गिल के अकेले 430 रन शामिल हैं. इसके अलावा दूसरे खिलाड़ियों ने भी शानदार पारियां खेलीं. वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम की गेंदबाजी पर सवाल उठ रहे हैं और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किए जाने की अपील कर रहे हैं. इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जेम्स एंडरसन का भी मानना है कि लॉर्ड्स में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाना चाहिए।

सभी अपराधियों की संपत्तियां होंगी जब्त : सीएम योगी

आलीशान कोठी पर गरजा बुलडोजर

बलरामपुर, (एजेंसी)। यूपी के बलरामपुर में धर्मांतरण व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर की मधुपुर स्थित आलीशान कोठी पर मंगलवार को बुलडोजर गरजा। सुबह 10.30 बजे प्रशासनिक टीम ने इसे गिराने की कार्रवाई की शुरू की। इससे पहले सुबह 9.00 बजे भारी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी छांगुर के आवास पहुंचे। प्रक्रिया पूरी करने के बाद करीब 10 बजे दो बुलडोजर बुलाए गए। लेकिन, मकान का गेट नहीं खुला। पुलिस ने गेट काटने के लिए गैस कटर मंगाया। इसके बाद गेट का लाक काटकर टीम और बुलडोजर घर के अंदर पहुंचे। सीओ उतरौला राघवेंद्र सिंह ने घर का निरीक्षण किया। बायें तरफ से निर्माण ढहाने की कार्रवाई शुरू की गई। गेट के दायें तरफ बने दो मंजिला इमारत में कुछ लोग रह रहे थे। उन्हें घर से बाहर निकलने को कहा गया है। बुलडोजर कार्रवाई शुरू होने से मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। देखने वालों का तांता लगा रहा। इससे पहले सोमवार शाम करीब 6रू30 बजे तक छांगुर की कोठी पर पुलिस बल के साथ पहुंची प्रशासन की टीम ने गेट पर बेदखली का नोटिस चस्पा किया। प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह ने बताया कि बेदखली के नोटिस के बाद मधपुर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। तहसीलदार ने बताया कि सात दिनों में अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो प्रशासन अपने स्तर से अतिक्रमण को गिरवाएगा। प्रशासन की कार्रवाई के बाद छांगुर की आलीशन कोठी में रह रहे लोगों ने आक्रोश जताया। छांगुर की बहू साबिरा पहली बार बाहर आई और प्रशासन पर आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई से बच्चे डरे हैं। मामले में प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि आरोप मनगढ़ंत है। प्रदेश में गैर–मुस्लिम लड़कियों को बहला फुसलाकर कराए जा रहे धर्मांतरण के खिलाफ सिख व सिंधी समाज के लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया है। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस तरह का कुत्सित प्रयास करने वालों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने धर्मांतरण की साजिश रचने वाले अपराधियों को फांसी की सजा दिलाने की मांग की है। छांगुर बाबा की करीबी नीतू नवीन रोहरा के यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) के नेटवर्क को एटीएस खंगाल रही है। दरअसल, सातवीं कक्षा पास नीतू ने 2014 से 2019 तक 19 बार यूएई की यात्रा की, जिसकी वजह का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। इसी तरह नवीन घनश्याम रोहरा ने भी 2016 से 2020 के बीच 19 बार यूएई की यात्रा की। पति–पत्नी होने के बावजूद नवीन घनश्याम रोहरा, नीतू नवीन रोहरा और समाले नवीन रोहरा का धर्मांतरण 16 नवंबर, 2015 को दुबई के अल फारुख उमर बिन कताब सेंटर में हुआ था। इसे दुबई सरकार ने प्रमाणित भी किया था। हालांकि उनके पासपोर्ट की जांच में दुबई की यात्रा करने की पुष्टि नहीं हुई, जिससे आशंका जताई जा रही है कि छांगुर बाबा के गिरोह के गुर्गों ने अलग नाम से भी पासपोर्ट बनवाए हुए हैं।अधिकारियों को शक है कि गिरोह खाड़ी देशों के संगठनों के इशारे पर धर्मांतरण का रैकेट चला रहा था। उसका नेटवर्क यूपी के अलावा कई अन्य राज्यों में फैला होने के प्रमाण भी मिले हैं। छांगुर के घर बुलडोजर एक्शन पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्हमारी सरकार बहन–बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जलालउद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार

कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी। उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने एक्स पर पोस्ट करते हुए आगे लिखा कि श्राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक उदाहरण बने।

नदियों पर अतिक्रमण कराने वालों को बोलने का अधिकार नहीं : स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जोरदार पलटवार किया है। अखिलेश की ओर से सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए आरोपों के जवाब में स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा प्रमुख जनता को गुमराह करने के लिए नए–नए बहाने ढूंढ रहे हैं। सपा के कार्यकाल में प्रदेश की नदियों की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं थी। हमारी सरकार नदियों को पुनर्जीवन देने के बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि अखिलेश सरकार के कार्यकाल में नदियों पर अतिक्रमण को बढ़ावा दिया गया, जबकि योगी सरकार इन अतिक्रमणों को हटाने और नदियों को पुनर्जीवित करने

का महाभियान चला रही है। नमामी गंगे योजना और अमृत सरोवर योजना के तहत कई नदियों, नालों और तालाबों को पुनर्जीवित किया गया है। सपा के मुंह से सनातन, कांवड़ यात्रा और नदियों की बातें शोभा नहीं देती।

युवाओं के लिए नए अवसर खुलेंगे

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा सरकार ने काशी में वरुणा कॉरिडोर, लखनऊ में गोमती रिवर फ्रंट और जेपीएनआईसी (जेपी नारायण इंटरनेशनल सेंटर) जैसे प्रोजेक्ट्स में सपा के अराजक तत्वों को ठेके देकर पैसा कमाने का मौका दिया। जेपीएनआईसी के लिए बनाई गई समिति के जरिये भ्रष्टाचार किया गया। इसे योगी सरकार ने खत्म कर दिया। अब जेपीएनआईसी की व्यवस्था लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंपी गई है। इससे युवाओं के लिए नए अवसर खुलेंगे।

कांवड़ियों पर बरसाते थे डंडे

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सपा सरकार ने कांवड़ यात्रियों पर बर्बर लाठीचार्ज करवाया और कांवड़ मार्ग पर अपने चाहने वालों के होटल–ढाबे खोलकर पवित्र यात्रा को अपवित्र करने का प्रयास किया। स्वतंत्र देव सिंह ने दावा किया कि इन ढाबों के जरिये कांवड़ियों के भोजन को अपवित्र करने का कार्य होता था।

बिहार की मूल निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण नीतीश कैबिनेट में 43 प्रस्तावों पर लगी मुहर

पटना, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश की अध्यक्षता में मंगलवार सुबह 10.30 से शुरू हुई कैबिनेट बैठक करीब एक घंटे तक चली। बैठक में 43 प्रस्तावों पर मुहर लगा दी गई। इस दौरान बिहार की सभी सरकारी सेवाओं में हर स्तर पर सभी प्रकार की मदों पर सीधी नियुक्तियों में राज्य की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों को ही 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ दिए जाने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई। यानी बाहर के राज्य की महिला को बिहार में 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ का नहीं मिलेगा। इसमें एक अहम प्रस्ताव बिहार के युवाओं के लिए भी है। जिस पर सीएम नीतीश कुमार ने अपनी स्वीकृति दे दी है। यानी अब बिहार में युवा आयोग का गठन किया जाएगा। सीएम नीतीश

ने इसका खुद ही एलान किया। इसके अलावा सामान्य प्रशासन विभाग के एक और महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सीएम नीतीश कुमार ने मुहर लगा दी। इसके अलावा समाज कल्याण विभाग मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना संबल अंतर्गत राज्य के पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं सामान्य वर्ग के पुरुष दिव्यांग अभ्यर्थियों को राज्य के सदृश्य सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कोई आर्थिक सहयोग देय नहीं होगा। प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार की तैयारी के लिए पचास हजार और एक लाख रुपये की। प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई है।

निष्पक्ष चुनाव के लिए कड़ाई जरूरी : मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि चुनाव आयोग को बिहार में हो रहे खून–खराबे का संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने सोमवार को जारी अपने बयान में कहा कि बिहार चुनाव को सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ–साथ बाहुबल, धनबल

व अपराध बल आदि से मुक्त कराना चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि इसके लिए जो भी सख्त कदम उठाने हों, वह समय से अवश्य उठाएं ताकि चुनाव अभियान स्वतंत्र व निष्पक्ष हो। वैसे तो बिहार में खासकर दलितों, अति–पिछड़ों, शोषितों, गरीबों और उनकी महिलाओं आदि के विरुद्ध जुल्म, हत्या, शोषण तथा उनके हक से वंचित रखने के मामले हमेशा चर्चा का विषय रहे हैं। चुनाव आयोग संज्ञान लेकर कार्रवाई करे विधानसभा चुनाव से पहले हिंसक वारदातों व हत्याओं के जारी रहने के क्रम में भाजपा नेता एवं प्रमुख उद्योगपति गोपाल खेमका की पटना में हुई हत्या ने राज्य में कानून व्यवस्था की बदहाल स्थिति के साथ–साथ प्रदेश की राजनीति को भी गर्मा दिया है। चुनाव आयोग अभी से इसका संज्ञान लेकर कार्रवाई करे तो यह शांतिपूर्ण चुनाव संचालन के लिए बेहतर होगा। बता दें कि बसपा बिहार विधानसभा चुनाव अकेले अपने बलबूते पर लड़ रही है।

जेलों में कट्टरपंथियों को पनपने से रोकने के लिए अमित शाह ने उठाये सख्त कदम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इस तरह के वाकये पूरी दुनिया में देखने को मिल रहे हैं कि जेलों में बंद कट्टरपंथी दूसरे कैदियों का भी ब्रेन वॉश करके उन्हें गलत राह पर धकेल देते हैं। देखा जाये तो जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाये जाने की घटनाएं अब गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यह प्रवृत्ति आंतरिक सुरक्षा के लिए तेजी से बड़ा खतरा बन रही है इसलिए संकट की गंभीरता को समझते हुए भारत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस दिशा में तुरंत प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों

को जारी एक परामर्श में कहा गया है कि कारागारों में बंद कमजोर मानसिकता वाले व्यक्तियों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकना तथा ऐसे कैदियों को मुख्यधारा में लौटाने के लिए 'डि–रेडिकलाइजेशन' की प्रक्रिया अपनाना अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। देखा जाये तो कारागार एक सीमित व नियंत्रित वातावरण होता है जहाँ सामाजिक अलगाव, समूह मनोवृत्ति तथा निगरानी की सीमितता जैसी परिस्थितियाँ अतिवादी विचारों के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि बन जाती हैं। कई बंदी, जो पहले से ही हताशा, समाज से कटाव या हिंसात्मक प्रवृत्तियों से ग्रस्त होते हैं, ऐसे माहौल में उग्रपंथी विचारधाराओं के प्रभाव में आ जाते हैं। इसलिए गृह मंत्रालय ने चेताया है कि कुछ मामलों में कट्टरपंथी बंदी हिंसात्मक गतिविधियों में लिप्त हो सकते हैंकृ चाहे वह जेल के स्टाफ पर हमला हो, अन्य बंदियों को नुकसान पहुँचाना हो या फिर बाहरी नेटवर्क के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देना हो।

राष्ट्रपति मुर्मू को मुर्मा, कोविंद को कोविड! मल्लिकार्जुन खड़गे पर बीजेपी ने लगाया गंभीर आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का अपमान करने का आरोप लगाया। खड़गे ने एक सार्वजनिक संबोधन के दौरान उनके नाम का गलत उच्चारण किया था। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, खड़गे को व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो में ष्मुरमा जीष कहते हुए सुना जा सकता है, लेकिन बाद में उन्होंने तुरंत सुधार करते हुए मुर्मू जी कहा। कुछ सेकंड बाद, उन्होंने कोविंद को "कोविड" के रूप में गलत उच्चारण किया। इसको लेकर

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। ये कांग्रेस पार्टी की दलित विरोधी मानसिकता को दिखा रहा है। जो कांग्रेस पार्टी व राहुल गांधी संविधान को हाथ में लेकर चलते हैं, उन्हीं के इशारे पर मल्लिकार्जुन खड़गे जी ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं। जिसका आज भारत का हर नागरिक निंदा कर रहा है। भाटिया ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे जी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को मुर्मा जी बुलाते हैं और पूर्व राष्ट्रपति जी राम नाथ कोविंद जी को कोविड बुलाते हैं। खड़गे जी, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को भू–माफिया बताते हैं, कहते हैं, ये हमारी जमीन और जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं। राहुल गांधी के इशारे पर मल्लिकार्जुन खड़गे जी जो आदिवासी विरोधी, दलित विरोधी, महिला विरोधी और संविधान विरोधी बयान दे रहे हैं, उस पर पूरा देश थू थू कर रहा है। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुष्कर सिंह धामी की बड़ी बैठक, अधिकारियों को दिए ये निर्देश

उत्तराखंड, (एजेंसी)। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने 10 जुलाई से होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। पुष्कर सिंह धामी ने कानून व्यवस्था, कांवड़ यात्रा एवं आपदा प्रबंधन के सम्बन्ध में बैठक में उत्तराखण्ड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी जनपदों में सत्यापन अभियान सख्ती से चलाया जाये, सीमाओं पर सतर्कता बरती जाये तथा अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही निरन्तर जारी रखी जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित

की जाये तथा यातायात नियंत्रण व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए हेली एम्बुलेंस सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने, महिला सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा आम जनता की शिकायतों के निस्तारण की प्रगति एवं ट्रैकिंग की निरन्तर निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने नशाखोरी एवं नशे के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर भी प्रभावी ढंग से कार्य करने के निर्देश दिये।

संपादकीय

खून खराबे का खेल

एक बार फिर पंजाब देश–विदेश से संचालित आपराधिक गैंगों और आतंकवादियों के निशाने पर आ गया है। संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा आम–खास लोगों को शिकार बनाये जाने की घटनाएं जब–तब सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य में गैंगस्टरों द्वारा की जा रही हिंसा में खतरनाक ढंग से वृद्धि देखी जा रही है। अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हुई हत्या और मोगा में अभिनेत्री तानिया के डॉक्टर पिता की उनके क्लीनिक में गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने इस बात को उजागर किया कि संगठित आपराधिक नेटवर्क कितनी आसानी से काम कर रहे हैं। हमलावरों द्वारा सार्वजनिक रूप से मरीज बनकर डाक्टर को गोली का निशाना बनाना आपराधिक दुस्साहस को ही उजागर करता है। जो बताता है कि अपराधियों में कानून व पुलिस का खौफ नजर नहीं आता। यह समाज वैज्ञानिकों के लिये भी गंभीर मंथन का विषय है कि राज्य का समाज इस गहरी अस्वस्थता का शिकार क्यों है। निश्चित रूप से समाज में आर्थिक विसंगतियां और सामाजिक विद्रूपताएं अपराध की राह खोल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, राज्य में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, नशे की लत, अशांत बचपन, गरीबी, विषैली राजनीति और रातों–रात अमीर बनने की लालसा कई पंजाबी युवाओं को अपराध की अंधी गली की ओर धकेल रही है। ऐसा भी नहीं है कि बेरोजगारी व अन्य सामाजिक विसंगतियां देश के अन्य राज्यों में नहीं हैं। नशा एक राष्ट्रीय संकट बनता जा रहा है। सवाल ये कि हमारा शासन–प्रशासन इन अपराधों से किस तरह निबटता है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा में गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। निस्संदेह, अपराध का रास्ता कई युवाओं को आकर्षित करता है, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि इस राह से गुजरने के बाद मुख्यधारा में लौटना असंभव है। अपराधी फिर कभी सामान्य जीवन नहीं जी सकता। लेकिन इसके बावजूद शासन–प्रशासन को राज्य में उन सामाजिक–आर्थिक विसंगतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की सख्त जरूरत है, जो अपराध को बढ़ावा देते हैं। उन विभागीय काली भेड़ों की भी सख्त निगरानी की जरूरत है जो अपराधियों के अपवित्र गठबंधन में मददगार होती हैं। हालांकि, पंजाब पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां और मुठभेड़ें की हैं, लेकिन ये महज एक प्रतिक्रियात्मक कदम मात्र है। इस बड़े संकट से निपटने के लिये एक निरंतर, व्यवस्थित व कारगर रणनीति बनाने की जरूरत है।

संतुलित समाज के निर्माण में हो सहायक

डॉ. सुधीर

जब हम लैंगिक समानता की बात करते हैं, तो अक्सर महिलाओं के अधिकारों और उनके सशक्तीकरण पर जोर दिया जाता है, जो कि बिल्कुल सही और आवश्यक भी है। लेकिन, इस चर्चा में एक महत्वपूर्ण पहलू अक्सर छूट जाता है– पुरुषों के अधिकार और उन्हें न्याय दिलाने की आवश्यकता। अब हमारे समाज में पुरुषों के अधिकारों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर भी खुलकर बात होने लगी है। इसी कड़ी में एक पुरुष आयोग बनाने की मांग जोर पकड़ रही है। पुरुषों का तर्क है कि उनके लिए भी एक ऐसी संस्था होनी चाहिए जो उनकी समस्याओं को सुने और उनका समाधान करे। यह लैंगिक समानता की दिशा में एक कदम है। समाज में लिंग–आधारित रूढ़िवादिता के कारण, पुरुषों को अपनी पीड़ा व्यक्त करने में हिचकिचाहट होती है, जिससे उनकी समस्याएं अक्सर अनसुनी रह जाती हैं। लंबे समय से, घरेलू हिंसा और प्रेम संबंधों में होने वाली क्रूरता को अक्सर महिलाओं से जोड़कर देखा जाता रहा है, जो कि बिल्कुल सही भी है। महिलाएं इन अपराधों का शिकार होती हैं। लेकिन, सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि पुरुष भी इन अपराधों के शिकार हो रहे हैं। कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां प्रेम संबंधों में अनबन या अन्य कारणों से पतियों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। इन घटनाओं में, पुरुषों को न केवल शारीरिक हिंसा का शिकार होना पड़ता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी उन्हें काफी प्रताड़ना झेलनी पड़ती है, और उनके पास मदद या शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई खास मंच नहीं है। झूठे आरोप भी एक गंभीर समस्या है जिससे पुरुष जूझते हैं। दहेज उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न या अन्य अपराधों के झूठे आरोप पुरुषों के जीवन को पूरी तरह से तबाह कर सकते हैं, भले ही वे बाद में निर्दोष साबित हो जाएं। यह उनके करिअर, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। वर्तमान कानूनी ढांचे में, ऐसे मामलों में पुरुषों को खुद को निर्दोष साबित करने के लिए अक्सर लंबा और जटिल संघर्ष करना पड़ता है, और उनके लिए कोई विशेष सहायता प्रणाली नहीं है। इसके अलावा, दहेज उत्पीड़न या बलात्कार जैसे कानूनों का कई बार दुरुपयोग होता है, जिसके चलते कई निर्दोष पुरुषों को झूठे मामलों में फंसा दिया जाता है। पारिवारिक विवादों, जैसे तलाक या बच्चों की कस्टडी के मामलों में भी, अक्सर पुरुषों को अलग–थलग महसूस कराया जाता है और उनके पक्ष को कई बार उचित महत्व नहीं मिलता। मानसिक स्वास्थ्य भी एक बड़ा मुद्दा है य समाज का दबाव पुरुषों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से रोकता है, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में उन्हें न्याय पाने और अपनी बेगुनाही साबित करने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यह उनके करियर, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। यही कारण है कि आत्महत्या के मामलों में भी पुरुषों की संख्या अक्सर अधिक पाई जाती है, जो उनके अंदरूनी संघर्षों को दर्शाती है। ऐसे मामलों में अक्सर पुरुषों के प्रति समाज की प्रतिक्रिया उतनी संवेदनशील नहीं होती जितनी महिलाओं के प्रति होती है। 'मर्द को दर्द नहीं होता' जैसी धारणाएं और सामाजिक रूढ़िवादिता पुरुषों को अपनी पीड़ा व्यक्त करने से रोकती है। उन्हें डर होता है कि उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा, उन्हें डर होता है कि समाज उनका उपहास करेगा या उन्हें कमजोर समझेगा। इसी वजह से कई बार वे अपनी समस्याओं को छिपाते रहते हैं, जो अंततः गंभीर परिणामों का कारण बनता है। भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है, चाहे वे पुरुष हों या महिला। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता की बात करता है और अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर किसी भी तरह के भेदभाव को रोकता है। हालांकि, अनुच्छेद 15 (3) राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने की छूट देता है, ताकि समाज में उनकी स्थिति सुधर सके। इसी आधार पर महिला आयोग और महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बनाए गए हैं। लेकिन क्या वास्तव में एक अलग पुरुष आयोग की आवश्यकता है? कुछ लोगों का मानना है कि मौजूदा कानूनी ढांचे में ही पुरुषों की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है, और लिंग–विशिष्ट आयोग बनाने से समाज में और अधिक विभाजन पैदा हो सकता है। हालांकि, यह भी सच है कि पुरुषों की कुछ समस्याएं ऐसी हैं जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। निरूसंदेह, यदि एक पुरुष आयोग बनता है, तो यह केवल पुरुषों के लिए ही नहीं, बल्कि एक संतुलित समाज के निर्माण में भी सहायक हो सकता है। यह आयोग पुरुषों को जागरूक कर सकता है कि वे अपनी समस्याओं को कैसे उठाएं और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाएं। यह लैंगिक समानता में सहायक होगा। उनका तर्क है कि पुरुष आयोग बनाना समानता के सिद्धांत के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि पुरुषों को भी उनके अधिकारों से वंचित न किया जाए। यह एक ऐसी संस्था होगी जो पुरुषों से संबंधित डेटा एकत्र करेगी, उनकी शिकायतों को सुनेगी, और सरकार को उनके कल्याण के लिए सुझाव देगी। हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहिए जहां कोई भी व्यक्ति, चाहे वह पुरुष हो या महिला, न्याय और गरिमा से वंचित न हो। यह समय है जब हम सभी लिंगों के सामने आने वाली जटिलताओं को पहचानें और एक ऐसा कानूनी और सामाजिक ढांचा तैयार करें जो सभी के लिए निष्पक्ष और न्यायपूर्ण हो। पुरुष आयोग की उठती आवाज इसी दिशा में एक चिंतन का विषय है, जिस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

ठोस रणनीति से ही हिमाचल में नशा मुक्ति की राह

सोमेश

हिमाचल प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के उद्देश्य से एक सशक्त संदेश देते हुए पुलिस ने केवल एक महीने में ही 250 से अधिक व्यक्तियों के खिलाफ नशा तस्करी के आरोप में मुकदमें दर्ज किए हैं। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में 183 एफआईआर दर्ज की गई हैं। प्रदेश में 14 मामले वाणिज्यिक मात्रा में मादक पदार्थ रखने के लिए, 85 मामले मध्यम मात्रा के लिए और 58 मामले छोटी मात्रा के लिए दर्ज किए गए। लगभग दो दर्जन मामले नशीली दवाओं की खेती से संबंधित थे। एक सकारात्मक कदम के रूप में पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के तहत 21 निवारक प्रस्तावों पर कार्रवाई शुरू की है। राज्य पुलिस ने सक्षम प्राधिकारी से आधा दर्जन आदेश प्राप्त करने में भी सफलता हासिल की है। लगभग तीन दशकों से मादक पदार्थों की समस्या कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। तस्करी ने केवल गांजा केंद्रित व्यापार से बदलकर छिपाने में आसान और उच्च कीमत वाले सिंथेटिक ड्रग्स की स्मग्लिंग का रूप ले लिया है। दूरदराज व दुर्गम इलाके का फायदा उठाते हुए अपराधी यहां अफीम की अवैध खेती भी करते हैं। वर्ष 2019 के नशीले पदार्थों के उपयोग संबंधी राष्ट्रीय सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश के लिए कोई गंभीर चेतावनी नहीं दी गयी थी। हालांकि, तब से काफी कुछ बदल चुका है। समस्या की सटीक स्थिति जानने के लिए राज्य स्तर पर एक नमूना सर्वेक्षण की तत्काल आवश्यकता है। पुलिस वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में 41 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। राज्य के लिए चिंताजनक बात यह है कि मादक पदार्थों के मामलों में गिरफ्तार किए गए 90 प्रतिशत से अधिक लोग 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के हैं। राज्य की जेलों में लगभग तेरह सौ युवा मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में बंद रहते हैं। राज्य का कोई भी जिला मादक पदार्थों की समस्या से अछूता नहीं है। शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों में इस श्रेणी के अधिकतम मामले दर्ज होते हैं। राज्य की जेलों में एनडीपीएस मामलों से जुड़े दोषी और अभियुक्त कैदियों की संख्या अधिक है। लगभग 40 प्रतिशत पुरुष कैदी, चाहे दोषी हों या अभियुक्त, मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में शामिल हैं। महिलाओं के लिए यह आंकड़ा लगभग 30 प्रतिशत है। छोटी मात्रा के तस्कर अक्सर स्वयं भी नशीली दवाओं का इस्तेमाल करने वाले होते हैं। लगभग 10 प्रतिशत कैदियों को नशामुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम की आवश्यकता होती है। ऐसे व्यक्तियों का स्थान जेल नहीं बल्कि पुनर्वास केंद्र होना चाहिए। पुनर्वास के लिए कोई भी तय प्रोटोकॉल न होने के कारण, सुधार गृहों में तैनात चिकित्सक मादक पदार्थों के उपयोगकर्ताओं के उपचार में दक्ष हो गए हैं। राज्य के सुधार विभाग का प्रयास, जो एक केंद्रीय जेल में पुनर्वास केंद्र शुरू करने के लिए एक केंद्रीय योजना का लाभ उठाना चाहता था, राज्य सरकार के एक बाबू द्वारा खारिज कर दिया गया! राज्य सरकार को उन सभी सुधार गृहों को, जहां समर्पित चिकित्सक तैनात हैं, औपचारिक रूप से मादक पदार्थ पुनर्वास केंद्र घोषित करना चाहिए। राज्य की मादक पदार्थ समस्या के प्रति प्रतिक्रिया अब तक टिकाऊ नहीं रही है, जिसने संबंधित सभी मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया। सबसे पहले, राज्य सीआईडी के तहत एक एंटी–नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) स्थापित की गई। बाद में, एक राज्य कानून पारित किया गया और एक विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) बनाई गई, लेकिन एएनटीएफ को समाप्त नहीं किया गया। एसटीएफ, जिसका नेतृत्व एडीजी स्तर के अधिकारी करते हैं, लगभग कमजोर है क्योंकि उसमें पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं।

.... विविध ....

हर बार पानी पीते ही टॉयलेट जाने की शिकायत

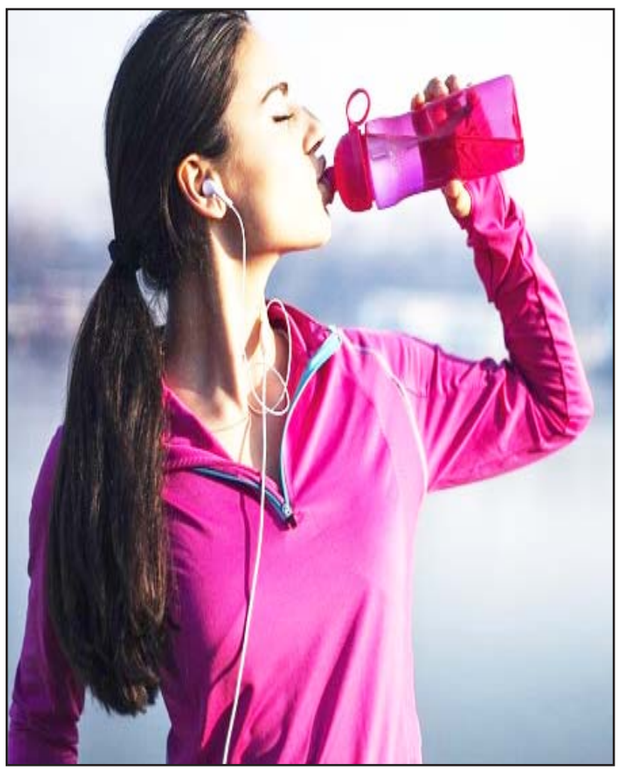

अगर आपको पानी पीते ही तुरंत टॉयलेट जाने की इच्छा होती है, और यह रोज का सिलसिला बन गया है, तो इसे हल्के में न लें। यह सिर्फ ज्यादा पानी पीने या ठंडा मौसम होने की वजह से नहीं, बल्कि कई स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकता है। डॉक्टर्स कहते हैं कि अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो जरूरी है कि इसकी जांच करवाई जाए। आइए जानते हैं इसके मुख्य कारण और इससे जुड़ी संभावित बीमारियों के बारे में।

ज्यादा पानी पीना

अगर आप दिनभर में 3 लीटर या उससे ज्यादा पानी पीते हैं, तो यह स्वाभाविक है कि शरीर अतिरिक्त पानी को पेशाब के रूप में बाहर निकाल देगा। लेकिन अगर आप थोड़ी मात्रा में पानी पीते ही बार–बार टॉयलेट जा रहे हैं, तो यह सामान्य नहीं है और जांच का विषय हो सकता है।

कैफीन का ज्यादा सेवन

चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक जैसी चीजों में डाययूरेटिक तत्व होते हैं, जो मूत्र की प्रक्रिया को तेज कर देते हैं। ऐसे में इनका अधिक सेवन भी आपको बार–बार टॉयलेट जाने के लिए मजबूर कर सकता है।

ओवरएक्टिव ब्लैडर

इस स्थिति में मूत्राशय (ब्लैडर) की मांसपेशियां जरूरत से ज्यादा एक्टिव हो जाती हैं, जिससे थोड़ी–सी मात्रा में यूरिन बनने पर भी टॉयलेट जाने की तेज इच्छा होती है। यह एक सामान्य लेकिन असहज कर देने वाली समस्या है।

सिर्फ प्यास या पेशाब नहीं, गर्दन पर दिखने वाला ये अजीब लक्षण भी हो सकता है डायबिटीज का संकेत

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन

खासतौर पर महिलाओं में आम, इस समस्या में पेशाब के दौरान जलन, दर्द और बार–बार पेशाब लगने की शिकायत होती है। अगर पानी पीते ही पेशाब की जरूरत महसूस हो और जलन या दर्द हो रहा हो, तो यह न्ज्फ का संकेत हो सकता है।

डायबिटीज (मधुमेह)

डायबिटीज में शरीर अतिरिक्त शुगर को पेशाब के जरिए बाहर निकालने की कोशिश करता है, जिससे बार–बार टॉयलेट जाने की जरूरत पड़ती है। इसके साथ अगर आपको लगातार प्यास लगना, थकान, और वजन कम होना भी महसूस हो, तो डायबिटीज की जांच कराना जरूरी है।

प्रोस्टेट से जुड़ी समस्याएं (पुरुषों में)

प्रोस्टेट ग्रंथि बढ़ने पर मूत्र मार्ग पर दबाव पड़ता है, जिससे पेशाब रुक–रुक कर आता है या बार–बार टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस होती है। यह समस्या उम्र के साथ पुरुषों में ज्यादा देखी जाती है।

क्या करें?

अगर यह समस्या कभी–कभी होती है, तो चिंता की जरूरत नहीं। लेकिन यदि यह रोज की आदत बन गई है, तो इसे नजरअंदाज न करें। किसी योग्य डॉक्टर से सलाह लें और जरूरत पड़ने पर ब्लड शुगर, यूरिन टेस्ट या अल्ट्रासाउंड जैसी जांच कराएं।

पानी पीते ही बार–बार टॉयलेट जाना अगर आदत बन जाए, तो यह कोई आम बात नहीं है। यह किसी भीतर छुपी बीमारी का संकेत हो सकता है। समय रहते सही जांच और इलाज करवा लेना ही समझदारी है।

दिल को फेल कर सकती हैं ये 5 दवाइयां

बहुत से लोग सिरदर्द, सर्दी–जुकाम या पुरानी बीमारियों के लिए कुछ दवाओं पर सालों से भरोसा करते आ रहे हैं लेकिन सिर्फ इसलिए कि कोई दवा पुरानी और जानी–पहचानी है, इसका मतलब यह नहीं कि वह पूरी तरह से सुरक्षित है क्योंकि सालों से खाई जाने वाली दवाइयां आपके शरीर के अंदरूनी अंगों को प्रभावित कर सकती हैं खासकर दिल। इसी जागरूकता के साथ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. दिमित्री यारानोव ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ ऐसी दवाओं के बारे में बताया है जो दिल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि रोजाना उपयोग में आने वाली ये दवाएं दिल की सेहत को खराब कर सकती हैं।

डॉ. दिमित्री यारानोव की चेतावनी, दिल को बहुत नुकसान पहुंचाती हैं ये दवाइयां

डॉ. यारानोव के अनुसार, हमें एनएसएआईडी (छै।प्क्े) जैसी दवाओं, कीमोथेरेपी दवाओं, स्टीमुलेंट्स (उत्तेजक पदार्थों), पुरानी डायबिटीज की दवाओं और डिकॉन्गेस्टेंट्स के इस्तेमाल में सावधानी बरतनी चाहिए। ये दवाएं दिल की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं, खासकर यदि इन्हें बिना डॉक्टर की सलाह के बार–बार लिया जाए।

एनएसएआईडी

एनएसएआईडी दवाएं जैसे इबुप्रोफेन और नेप्रोक्सेन आमतौर पर दर्द और सूजन को कम करने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं। सिरदर्द, जोड़ों के दर्द या बुखार में लोग अक्सर इन्हें बिना डॉक्टर की सलाह के ले लेते हैं लेकिन ज्यादा मात्रा में या लगातार लेने से ये दवाएं ब्लड प्रेशर बढ़ा सकती हैं और शरीर में पानी जमा कर सकती हैं। खासकर उन लोगों के लिए ये खतरा ज्यादा होता है जिन्हें पहले से दिल की बीमारी है। इन दवाओं के लगातार उपयोग से हार्ट फेलियर (दिल का फेल होना) का जोखिम भी बढ़ सकता है इसलिए एनएसएआईडी दवाओं का उपयोग हमेशा डॉक्टर की सलाह के बाद ही करें।

कुछ कीमोथेरेपी दवाएं

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं, जैसे डॉक्सोरूबिसिन और ट्रास्टुजुमाब, दिल की मांसपेशियों को कमजोर कर सकती हैं। यह धीरे–धीरे दिल की कार्यक्षमता को प्रभावित करती हैं और हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ा सकती हैं। इसलिए कैंसर के मरीजों के इलाज के दौरान और बाद में कार्डियक मॉनिटरिंग (दिल की जांच) जरूरी होती है ताकि समय रहते इस खतरे का पता चल सके।

स्टीमुलेंट दवाएं

फोक्स ना कर पाना, हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (।क्भ्क) या नींद की समस्या (नार्कोलेप्सी) के इलाज में दी जाने वाली स्टीमुलेंट दवाएं दिल की धड़कन तेज कर सकती हैं। ये दवाएं ब्लड प्रेशर बढ़ा सकती हैं और अचानक से दिल की धड़कन गड़बड़ी (ततीलजीउपं) या हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ा सकती हैं। खासकर उन लोगों को ये दवाएं सावधानी से लेनी चाहिए जिन्हें पहले से दिल की कोई समस्या हो या बिना सलाह के इनका सेवन नहीं करना चाहिए।

पुरानी डायबिटीज की दवाएं

डायबिटीज की पुरानी पीढ़ी की दवाएं जैसे रोजिग्लिटाजोन भी दिल की बीमारी और हार्ट फेलियर के खतरे से जुड़ी हुई पाई गई हैं। आजकल नई और बेहतर दवाएं उपलब्ध हैं जो शुगर कंट्रोल के साथ–साथ दिल की सेहत के लिए भी सुरक्षित मानी जाती हैं। इसलिए, डायबिटीज की दवाएं लेने वाले मरीजों को चाहिए कि वे अपने डॉक्टर से नए विकल्पों के बारे में चर्चा करें।

डिकॉन्गेस्टेंट

सर्दी–जुकाम में इस्तेमाल होने वाली कई दवाओं में पाए जाने वाला डिकॉन्गेस्टेंट जैसे स्यूडोएफेड्रिन नसों को सिकोड़ कर नाक की सूजन कम करता है। लेकिन इसका असर ब्लड प्रेशर बढ़ाने और दिल की धड़कन को असामान्य करने वाला भी हो सकता है। इसलिए यदि आपको

हाई ब्लड प्रेशर या कोई दिल की बीमारी है तो ये दवाएं बिना डॉक्टर की सलाह के बिलकुल न लें।

बिना सलाह के दवाएं लेने से बचें

इन सभी दवाओं का बिना डॉक्टर की सलाह के लगातार या ज्यादा मात्रा में उपयोग करना हानिकारक हो सकता है। कुछ दवाएं तो धीरे–धीरे, कई महीनों या सालों में दिल की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिसका पता तुरंत नहीं चलता। इसलिए, हमेशा किसी भी दवा को लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें और अपनी दवाओं का सही तरीके से उपयोग करें।

दिल की सेहत का ध्यान रखें

दिल की बीमारियों को रोकने और स्वस्थ रखने के लिए दवाओं के साथ–साथ अपनी लाइफस्टाइल पर भी ध्यान देना जरूरी है।

हेल्दी डाइट लें

नियमित एक्सरसाइज करें

ब्लड प्रेशर और शुगर को नियंत्रित रखें

तनाव को कम करें

इन उपायों से आप अपनी दिल की सेहत को बेहतर बनाए रख सकते हैं और दवाओं के संभावित साइड इफेक्ट से बच सकते हैं।

रोजाना इस्तेमाल होने वाली कुछ आम दवाएं दिल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए, किसी भी दवा को बिना डॉक्टर की सलाह के लगातार उपयोग न करें। अपनी दिल की सेहत के प्रति सतर्क रहें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सही मार्गदर्शन लें।

कागजी ट्रस्ट से जुटा रहा था फंड, बिना दुबई गए ही वहां की सरकार से जारी हुआ ये प्रमाणपत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। अवैध धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर का गिरोह संगठित रूप से कार्य कर रहा था। पारिवारिक समस्या हो या फिर गरीबी से परेशान लोगों को तलाशने के साथ ही छांगुर के फंड को खपाने की रणनीति भी तैयार होती थी। चंदा जुटाने व उसे विदेश भेजने के लिए बाकायदा ट्रस्ट और संस्थाएं तैयार की गईं थीं। छांगुर ने आस्वी इंटरप्राइजेज, आस्वी चौरिटेबल ट्रस्ट, आसिपिया हसनी हुसैनी कलेक्शन, बाबा ताजुद्दीन आस्वी बुटीक जैसी संस्थाओं को कागजों में तैयार किया। दो बैंकों में इन संस्थाओं के आठ खाते खुलवाए। छांगुर ने अपने एक बैंक खाते से विदेशी खाते में छह लाख रुपये जमा किए। इसके साथ ही नेपट के माध्यम से 10 लाख रुपये जमा किए। छांगुर के सहयोगियों के खातों से भी लेनेदन होता रहा है। छांगुर ट्रस्ट के माध्यम से इस्लाम धर्म का प्रचार–प्रसार भी कर रहा था। छांगुर की धर्मांतरण मुहिम को पुणे के एक प्रभावशाली व्यक्ति इदुल इस्लाम की मदद मिलती थी, जिससे छांगुर पूरे देश में पांव पसारने की तैयारी में था। एटीएस की जांच के अनुसार, छांगुर देश के कई प्रदेशों में जमीन खरीद कर अपना ठिकाना बना रहा था जिसके लिए वह लगातार धन जुटा रहा था।

बिना दुबई गए ही दुबई सरकार से जारी हुआ धर्म परिवर्तन का प्रमाणपत्र

एटीएस की जांच में एक बड़ा खुलासा हुआ जिसमें नवीन रोहरा, नीतू नवीन रोहरा और नवीन की बेटी का धर्म परिवर्तन दुबई से कराया जाना दिखाया गया। दुबई में 16 नवंबर 2015 को अल फारूक्यू कमर बिन खताब सेंटर में धर्मांतरण किया गया, जिसे दुबई सरकार के इस्लामिक अफेयर एवं चौरिटेबल एक्टिविटी डिपार्टमेंट से प्रमाणित किया गया। एटीएस को पासपोर्ट की जांच से पता चला कि नवीन, नीतू आदि 16 नवंबर 2015 को दुबई में थे ही नहीं। ऐसे में धर्मांतरण की प्रक्रिया भी सवालों से घिर गई है।

आजमगढ़ में बना रहा था ठिकाना

आजमगढ़ के देवगांव में छांगुर के रिश्तेदार व सहयोगियों पर अवैध धर्मांतरण कराने के मामले की एफआईआर दर्ज है। वर्ष 2023 में यह मुकदमा दर्ज हुआ था जिसमें छांगुर के भतीजे सबरोज, रशीद, साले का लड़का शहाबुद्दीन तथा रिश्तेदार गोंडा के रेतवागाड़ा निवासी रमजान को नामजद करते हुए 18 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। इससे साफ है कि आजमगढ़ में छांगुर अपना ठिकाना बना रहा था।

मोहम्मद अहमद के खिलाफ वारंट जारी, तलाश तेज

छांगुर के एक और करीबी चर्चा में हैं, उतरौला के मोहम्मद अहमद खान का नाम भी जुड़ा है। उनके खिलाफ गोमतीनगर थाने में वर्ष 2019 में दर्ज हुई एफआईआर में गिरफ्तारी का आदेश जारी हुआ है।

04 जुलाई को लखनऊ के एसीजेएस प्रथम न्यायालय में सुनवाई थी। मोहम्मद अहमद पेश नहीं हुआ जिस पर न्यायालय ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। स्थानीय पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

यूपी के बलरामपुर के रेहरामाफी का रहने वाला है छांगुर, ऐसे बढ़ता गया रुतबा

छांगुर मूल रूप से रेहरामाफी गांव का रहने वाला है। वहीं से उसने अंगूठी–नग बेचने का काम शुरू किया था। सियासत में दांव आजमाने के लिए 2015 में पंचायत चुनाव में उतरा और प्रधान बना। यहीं से उसका दबदबा बढ़ने लगा। गांव के कई लोग उससे जुड़ने लगे। तभी उसने धर्म परिवर्तन कराकर अपनी साख बनाने की सोची। साथ ही सियासत में बेटे महबूब को मजबूत करने की रणनीति बनाई। वर्ष 2022 के पंचायत चुनाव में बेटे महबूब को प्रधान के पद पर चुनाव लड़ाया, मोटी रकम भी खर्च की मगर जीत नहीं हो सकी। नवीन और नीतू का धर्म परिवर्तन कराने के बाद छांगुर के पास पैसे की कमी दूर हो गई। वह बेटे को पंचायत की ही सियासत में सफल बनाने की योजना पर काम कर रहा था। इसी दौरान वह एटीएस के शिकंजे में आ गया। अब उसकी मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

कीपैड वाला मोबाइल रखता था छांगुर बाबा

धर्म परिवर्तन के बाद नवीन रोहरा और नीतू ही छांगुर बाबा के बगलगीर थे। बाबा तो कीपैड वाला साधारण मोबाइल ही रखता था। नीतू एंड्रायड मोबाइल रखती थी। यही नहीं छांगुर बाबा को नवीन ही लग्जरी वाहन से लेकर चलता था। वह वाहन चलाता था और नीतू हमेशा साथ ही रहती थी।

छांगुर बाबा गैंग के सदस्य 40 बार इस्लामिक देशों की यात्रा पर गए

एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि एटीएस की छानबीन में छांगुर बाबा और उसके गैंग के सदस्यों द्वारा 100 करोड़ रुपये से अधिक रकम जुटाने के सबूत मिले हैं, जिसकी विस्तृत रिपोर्ट ईडी को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि उसके गैंग के सदस्यों ने खुद एवं अलग–अलग संस्थाओं के नाम से 40 से भी ज्यादा बैंक खाते खुलवाए थे, जिनके जरिये कई संदिग्ध खातों में रकम ट्रांसफर की गई है।

इन खातों का संचालन कई दूसरे राज्यों में हो रहा है। वहीं दूसरी ओर उसके गैंग के सदस्य 40 बार इस्लामिक देशों में यात्रा पर गए थे, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि उनके तार अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा देने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से भी जुड़े हैं। इसका पता लगाने के लिए उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

शहीद मेजर आशीर्वाद के जन्मदिन पर दी पुष्पांजलिरु खोसला

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

नई दिल्ली। मेजर आशीर्वाद ट्रस्ट ने एक एकीकृत मंच बनाया और सभी गणमान्य व्यक्तियों, परिवार के सदस्यों, मित्रों और सभी प्रिय लोगों को एक साथ लाया, प्रतिज्ञाएँ लीं और मेजर आशीर्वाद गौड़, प्रशिक्षक पायलट, आईसी 79660 डब्ल्यू को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि दी। उनकी स्मृति और विरासत को श्रद्धांजलि देना सम्मान की बात थी। उनकी उपस्थिति और उनकी सभी शुरुआती यादों को याद रखने के लिए, उनके माता–पिता उनकी जन्मतिथि को याद करना चाहते थे। कार्यक्रम में सम्मानित मुख्य अतिथियों – मेजर जनरल रणजीत सिंह (अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल), श्री राजीव जॉली खोसला (संयोजक, राष्ट्रीय सैनिक संस्था और राष्ट्रीय अध्यक्ष, भीम ब्रिगेड ट्रस्ट), ने अपने प्रेरक और प्रशंसनीय शब्दों के साथ मेजर आशीर्वाद को प्रार्थना और आशीर्वाद देने के लिए सम्मानित किया।

जनरल रणजीत सिंह जी ने कहा किसी कठिनाई से 4 वर्ष की खत्म कठिन ट्रेनिंग के बाद एक सोल्जर तैयार होता है यह हमें ही मालूम है! खोसला ने कहा की मेजर आशीर्वाद की यादों की तस्वीरों वाली एक घड़ी बनवाई है जिसमें उनकी यादें हम सबके दिल में बासी रहेंगे मेजर आशीर्वाद का युवाओं के प्रति गहरा लगाव था और वे थिएटर और नाटकों के माध्यम से जागरूकता फैलाकर समुदाय को बदलना चाहते थे। इस प्रकार, वह नाटक जिसे वे हमेशा से प्रस्तुत करना और प्रसारित करना चाहते थे, उसका प्रदर्शन किया गया। घ्घ्द थियेटर समूह द्वारा निर्मित नाटक ष्सैय्यां बे–ईमानष् को, जिसे मनोज मित्रा ने लिखा था, सांत्वना निगम ने अनुवादित किया था और संजीव जौहरी ने निर्देशित किया था, मेजर आशीर्वाद को उनकी उत्कृष्ट श्रद्धांजलि और उनके द्वारा दिए गए संदेश को याद करने और अपनाने के लिए सम्मानित किया गया। वह न केवल एक अनुशासित सैनिक थे, बल्कि एक संवेदनशील, मितव्ययी और पशु–प्रेमी भी थे। वह अपने देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने की आकांक्षा रखते थे। लेकिन अफसोस की बात है कि एक दिन वह अप्रत्याशित रूप से इस दुनिया को अलविदा कह गए। उनकी असामयिक मृत्यु ने परिवार और समाज को स्तब्ध कर दिया। उनके निधन के बाद, उनके माता–पिता ने उनके सम्मान में एक ट्रस्ट स्थापित करने और पशु देखभाल मानकों के अनुसार एक पशु चिकित्सा सुविधा बनाने का निर्णय लिया।

'किस्सा किस्सों का' में बच्चों ने रच दी रंगमंच पर सौहार्द की कविता

लखनऊ, (संवाददाता)। सोमवार की शाम संगीत नाटक अकादमी का मंच सिर्फ मंच नहीं था, वह रंगों, किस्सों, तालियों और जज्बातों से भरा एक सपना था। और उस सपने को हकीकत में बदला बीएनए की नाट्य कार्यशाला से निकले उन 50 नन्हे कलाकारों ने, जिन्होंने श्शकिस्सा किस्सों काश्श नाटक के जरिये रंगमंच पर सद्भावना का झंडा लहरा दिया। इस नाटक ने महज कहानियां नहीं सुनाईं... इसने एक गांव की मिट्टी में रची कहानियों को सांस दी। राम रहीमपुर गांव से शुरू हुआ किस्सा हमें लेकर गया अरब की गलियों तक, जहां अलीबाबा और चालीस चोर अब भारतीय रंगत में ढले हुए थे। फुर्सत मियां, जो बच्चों को किस्सों की सौगात देते हैं, वही सूत्रधार बने और उनके जरिये नाटक में रामायण और महाभारत के वीर योद्धा भी मंच पर जीवंत हुए। अभिमन्यु बना नन्हा कुंज, जिसकी संवाद अदायगी ने दर्शकों को स्तब्ध कर दिया। वहीं शुकोह नवाब ने फुर्सत मियां की भूमिका में जान फूंक दी। डाकू मुस्तफा हैदर बने कुशाग्र कृष्ण, और मरजीना के रूप में ऐश्विका सिंह ने अपने अभिनय से सबका दिल जीत लिया। झंझनाहट सिंह के किरदार में अर्नव द्विवेदी ने अपनी छाप छोड़ी। अन्य बच्चों में अली बाबा बने एलैक्स बिश्नोई, बजरंगी बने अयांश मिश्रा और छोटा अली व राजकुमार बने स्वास्तिक मिश्रा नाहर ने खूब वाहवाही लूटी। नाटक का प्लॉट जैसे ही बजरंगी और मरजीना की जोड़ी के जरिये आतंकवाद के खात्मे और गांव को बचाने तक पहुंचा, तालियों की गूंज ने बता दिया।

लंबे समय के बाद आज से खुलेंगे गोरखपुर और कानपुर के जू, बर्ड फ्लू की वजह से चल रही थी बंदी

लखनऊ, (संवाददाता)। वन विभाग ने गोरखपुर और कानपुर के चिड़ियाघर 8 जुलाई से पुनरू खोलने का निर्णय लिया है। बर्ड फ्लू के चलते ये दोनों चिड़ियाघर काफी समय से बंद चल रहे थे। अब यहां बर्ड फ्लू का कोई खतरा नहीं बताया जा रहा है। करीब 56 दिन बाद मंगलवार से चिड़ियाघर एक बार फिर से दर्शकों के लिए खोला जा रहा है। सूचना के अनुसार भोपाल की लैब में भेजे गए सैंपल्स की तीसरी रिपोर्ट भी निगेटिव आने के बाद चिड़ियाघर को मंगलवार से खोलने का फैसला लिया गया है। कानपुर चिड़ियाघर में गोरखपुर से आए शेर पटौदी की मौत के बाद उसके सैंपल में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी। उसके बाद से कानपुर और गोरखपुर दोनों जू बंद कर दिए गए थे। एहतियात के तौर पर लखनऊ जू भी कुछ समय के लिए बंद कर दिया था। बाद में लखनऊ सहित कुछ दूसरे जू खोल दिए गए लेकिन लखनऊ और कानपुर के जू नहीं खोले गए। इस बीच, भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज से सैंपल्स की तीसरी रिपोर्ट भी निगेटिव प्राप्त हुई, जिसकी जानकारी शासन को भेजी गई थी। इसके बाद से जू खोलने का फैसला हुआ।

एक मोर की भी हुई थी मौत

गोरखपुर चिड़ियाघर से शेर पटौदी को इलाज के लिए शहर के चिड़ियाघर भेजा गया था। उसे बर्ड फ्लू का संक्रमण होने के बाद चिड़ियाघर को रेड जोन घोषित कर 13 मई को बंद कर दिया गया था। पहले शेर पटौदी और बाद में एक मोर की बर्ड फ्लू से मौत हो गई थी।

संक्षिप्त खबरें

15 तक होंगे बीटेक प्रवेश रजिस्ट्रेशन

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में बीटेक कोर्स में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया फिर बढ़ा दी गई है। अब 15 जुलाई तक बीटेक प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे। विवि की संबद्धता प्रक्रिया पूरी न होने के कारण प्रवेश रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बढ़ाई गई है। ऐसे में 10 जुलाई से चॉइस फिलिंग नहीं होगी। विवि प्रशासन ने पिछले दिनों कहा था कि बीटेक के लिए चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 10 जुलाई से शुरू होगी। किंतु सोमवार को होने वाली संबद्धता की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। वहीं जिन कॉलेजों ने नई ब्रांच शुरू करने के लिए आवेदन किया है। उनका भौतिक निरीक्षण भी चल रहा है। ऐसे में संबद्धता समिति की बैठक जल्द की जाएगी। बीटेक के लिए अब तक 83610 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू की है। 70271 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन पूरा किया है और 66938 ने रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा कर दिया है। यह अब तक हुए छात्रों के सर्वाधिक रजिस्ट्रेशन हैं।

जोखिम से जंग नहीं, जॉब की जमीनी राह पर युवा सीए

लखनऊ, (संवाददाता)। एक सपना था... संतुलित बैलेंस शीट, टैक्स की टेढ़ी गलियों से पार पाना और नाम के आगे जुड़ा एक गौरवशाली तमगारू सीए। राजधानी के 50 से ज्यादा युवाओं ने इस सपने को साकार किया है, लेकिन अब ये युवा सीए खुद की फर्म खोलने के बजाय कॉरपोरेट नौकरी की ओर बढ़ चले हैं। गोमतीनगर स्थित आईसीएआई भवन में सोमवार को हुए सम्मान समारोह में जब इन नव चयनितों को सम्मानित किया गया, तो हर चेहरे पर मेहनत की चमक थी और आंखों में था भविष्य का फाइनेंशियल प्लान। हालांकि, बातचीत में ज्यादातर ने बताया कि वो खुद की प्रैक्टिस को लेकर फिलहाल पीछे हट रहे हैं। करीब 80 फीसदी युवा सीए नौकरी को तरजीह दे रहे हैं। उनका कहना है कि खुद की प्रैक्टिस में सिर्फ ज्ञान नहीं, मोटी पूंजी, नेटवर्क और कई सालों की जद्दोजहद भी चाहिए। क्लाइंट बेस बनाने से लेकर मार्केट में पहचान बनाने तक का सफर लंबा और जोखिम भरा है। कुछ युवाओं ने यह भी कहा कि पहले कुछ साल नौकरी से सीखेंगे, अनुभव जुटाएंगे और भविष्य में खुद का ऑफिस खोलने का सपना साकार करेंगे। वहीं, महज 20 फीसदी ही ऐसे हैं जो सीधे प्रैक्टिस की राह चुनने को तैयार हैं जिन्हें जोखिम में भी अपना रोमांच दिखता है। शहर में दूसरी रैंक हासिल करने वाल नव चयनित सीए ओजस्व ने बताया कि आगे वो कॉरपोरेट की नौकरी जॉइन करेंगे। उनके पिता अध्यापक हैं। बताया कि काफी संघर्ष के बाद यहां तक पहुंचे हैं। खुद की प्रैक्टिस की तो आगे और संघर्ष करना होगा। जॉब से फौरन पैसे मिलने शुरू हो जाएंगे। अच्छी कंपनी में 25 लाख तक के सालाना पैकेज का भी ऑफर मिल जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा में राजधानी में तीसरी रैंक हासिल करने वाले सीतापुर रोड निवासी धीरज सिंहल ने भी आगे के कॅरिअर के लिए नौकरी को ही चुना है। उनके पिता पियूष सिंघल व्यवसायी हैं। उन्होंने बातचीत में बताया कि सीए के अंतिम परिणाम तक पहुंचने में पांच साल लग गए। खुद की प्रैक्टिस में आगे और समय देना होगा, जिसमें जोखिम भी है।

प्राथमिक स्कूलों के विलय का रास्ता साफ, हाईकोर्ट ने आदेश को चुनौती देने वाली दोनों याचिकाएं खारिज कीं

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ से स्कूलों के विलय मामले में राज्य सरकार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने प्राथमिक स्कूलों के विलय के आदेश को चुनौती देने वाली दोनों याचिकाओं को सोमवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने सीतापुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले 51 बच्चों समेत एक अन्य याचिका पर यह फैसला सुनाया। इनमें बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बीती 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया था, जिसके तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की संख्या के आधार पर उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में विलय करने का प्रावधान किया गया है।

बच्चों के मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार का उलंघन करने वाला आदेश

याचियों ने इसे मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाला कहा था। साथ ही मर्जर से छोटे बच्चों के स्कूल दूर हो जाने की परेशानियों का मुद्दा भी उठाया था। याचियों की ओर से खासतौर पर दलील दी गई थी कि स्कूलों को विलय करने का सरकार का आदेश, 6 से 14 साल के बच्चों के मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार का उलंघन करने वाला है।

उधर, राज्य सरकार की ओर से याचिकाओं के विरोध में प्रमुख दलील दी गई कि विलय की कार्रवाई, संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के लिए बच्चों के हित में की जा रही है। सरकार ने ऐसे 18 प्राथमिक स्कूलों का हवाला दिया था, जिनमें एक भी विद्यार्थी नहीं है।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिहाज से लिया गया निर्णय

कहा कि ऐसे स्कूलों का पास के स्कूलों में विलय करके शिक्षकों और अन्य सुविधाओं का बेहतर उपयोग किया जाएगा। सरकार ने पूरी तरह शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिहाज से ऐसे स्कूलों के विलय का निर्णय लिया। कोर्ट ने बीते शुक्रवार को सुनवाई के बाद में फैसला सुरक्षित कर लिया था। इसे सोमवार की दोपहर में सुनाया।

आज प्रदेश भर में बीएसए कार्यालय पर धरना

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विद्यालयों के विलय के विरोध में प्रदेश भर में सभी बीएसए कार्यालयों पर धरना–प्रदर्शन करेगा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि प्रदर्शन के बाद 10 सूत्रीय मांग पत्र भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 150 से कम छात्र वाले प्राथमिक विद्यालय व 100 से संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रधानाध्यापक विहीन करते हुए काफी प्रधानाध्यापकों को सरप्लस घोषित कर दिया है। वहीं शिक्षकों की लंबित समस्याओं का समाधान भी नहीं किया जा रहा है। संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष आरपी मिश्रा ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों का विलय गलत है। माध्यमिक के शिक्षक भी धरने में शामिल होंगे।

आप लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक लेकर जाएगी रू संजय सिंह

आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को कहा है कि मैं हाईकोर्ट के फैसले से हैरान हूं। संजय सिंह ने बयान जारी कर व एक्स पर लिखा कि क्या यही है 'शिक्षा का अधिकार'? उन्होंने कहा कि पार्टी इस मामले पर चुप नहीं बैठेगी। वह इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक लेकर जाएगी। बता दें कि स्कूलों के विलय के विरोध में आप जिलों में लगातार विरोध–प्रदर्शन कर रही है।

दरिंदगी से पहले बच्चियों को पिलाता शराब, फिर नहलाकर पहनाता था नए कपड़े

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच में चार बच्चियों से हैवानियत करने के आरोपी सुजौली निवासी अविनाश पांडेय उर्फ सिंपल पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके मोबाइल से मासूम बच्चियों की नग्न तस्वीरें व वीडियो मिली है। पीड़ित बच्चियों ने भी अविनाश की पहचान की। पुलिस ने घटना स्थल से बच्चियों के कपड़े व आरोपी की ओर से घटना के समय पहने गए कपड़े भी बरामद कर लिए हैं। सोमवार को एसपी रामनयन सिंह ने बताया कि 25 जून को पहली बच्ची के गायब होने के बाद से पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुट गई थी। इस दौरान 28 जून, तीन जुलाई समेत कुल चार बच्चियों के साथ दरिंदगी हुई। जांच के दौरान एक पीड़िता पुलिस को घटनास्थल पर ले गई और आरोपी के हाथ व पैर पर टैटू के निशान होने की जानकारी दी। इस बीच सर्विलांस टीम को घटनास्थलों के बेस ट्रांसीवर स्टेशन (बीटीएस) के आधार पर सुजौली निवासी अविनाश पांडेय उर्फ सिंपल पांडेय की जानकारी हुई, जिसे बाजपुर बनकटी गांव से रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने जुर्म कुबूल कर लिया।

दुष्कर्म से पहले बच्चियों को पिलाता था शराब, नहलाकर पहनाता था नए कपड़े

पलक झपकते ही बच्चियों को बिस्तर से गायब करने का आरोपी अविनाश पांडेय बच्चियों के साथ बर्बरता की हदें पार कर देता था। बच्चियां घटना के समय शिथिल रहें और चीखें न, इसके लिए वह बच्चियों को दुष्कर्म से पहले देशी शराब पिलाता था।

बच्चियों को बहलाने फुसलाने में भी वह कोई कसर नहीं छोड़ता था। बच्चियों के साथ मारपीट व दुष्कर्म के बाद उन्हें टॉफी, चॉकलेट, नमकीन का प्रलोभन देकर घर में किसी को घटना की जानकारी नहीं देने की चेतावनी भी देता था।

बच्चियों को नहलाकर साफ करता था अपराध के दाग

पुलिस के अनुसार अविनाश बच्चियों से दुष्कर्म के बाद उन्हें नहलाकर दाग साफ करने का भी प्रयास करता था। एसपी रामनयन सिंह के अनुसार अविनाश बच्चियों के कपड़े बदल कर उन्हें नए कपड़े पहनाता था। घटनास्थल से देशी शराब के खाली टेट्रा पैक, टॉफी–चॉकलेट व नमकीन के खाली पैकेट बरामद किए हैं।

अविनाश के साथ भी हुई थी दरिंदगी

आरोपी अविनाश के साथ भी बचपन में दरिंदगी हुई थी। घटना के समय छोटा होने के चलते उसने किसी को कुछ भी नहीं बताया था। बड़े होने पर अविनाश ने बच्चियों को शिकार बनाना शुरू किया। आरोपी अविनाश गरीब परिवार से है। उसके पिता मजदूरी करते हैं। अविनाश भी मजदूरी करता था। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि रात के समय वह साइकिल लेकर निकलता था। इस दौरान सुनसान स्थान पर घर के बाहर या अंदर बिस्तर पर अकेली लेटी बच्चियों को उठाता था।

योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री नंदी अफसरशाही से त्रस्त, सीएम को लिखा पत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अफसरशाही पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अधिकारियों पर कोई निर्देश नहीं मानने और अपने लोगों को अनुचित लाभ देने का आरोप लगाया है। वह नीतियों को ताक पर रखकर अपने स्तर से फैसले ले रहे हैं और पत्रावलियों को ही गायब कर रहे हैं। नंदी ने अपने पत्र में कुछ मामलों में बरती गईं अनियमितताओं का जिक्र भी किया गया है, जिसकी उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं। नंदी के लगाए गए आरोपों की जांच के निर्देश के साथ मामले की पूरी रिपोर्ट तलब की गई है। सूत्रों के मुताबिक मंत्री के आरोपों के ठोस जवाब शीर्ष स्तर के अधिकारी तैयार कर रहे हैं। सीएम को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि काम में अड़ंगा डालने के लिए अफसरशाही अपने स्तर पर फाइलें मंगाकर डंप कर रही है। साथ ही कई पत्रावलियों में ऐसे प्रस्ताव हैं, जो नियम विरुद्ध होने के बावजूद अपने स्तर से अधिकारी पारित कर रहे हैं। कुछ लोगों को अनुचित लाभ देने के लिए नीतियों के विरुद्ध जाकर प्रस्ताव पारित किए गए हैं।

दो साल से निर्देश नहीं मानने का लगाया आरोप

नंदी के पत्र के मुताबिक दो साल से तमाम फाइलें बार–बार मांगने के बाद भी अफसरों ने नहीं दी। आखिर क्यों? इस जवाब में विभाग में तैनात एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों ने मना किया है। इस पर मंत्री ने पिछले वर्ष 7 अक्तूबर को ऐसी मामलों की सूची सीएम आफिस भेजी। 29 अक्तूबर को एक हफ्ते के अंदर सभी फाइलों को पेश करने के निर्देश दिए गए, लेकिन छह महीने बाद भी फाइलें नहीं दी गईं। इसी तरह विभाग में कामकाज का बंटवारा सक्षम स्तर से कराने के निर्देश तीन साल पहले दिए थे, लेकिन मामले की फाइल ही लापता हो गई। अफसरों पर मनमानेपन का आरोप लगाते लगाते हुए लिखा है कि कई मामले ऐसे हैं, जिनमें एक जैसी परिस्थितियों में किसी को फायदा पहुंचाया गया और किसी का केस खारिज कर दिया गया है। ऐसे ही एक केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद एक वरिष्ठ अधिकारी को हटाया जा चुका है।

0200.0

दिव्यांग दंपतियों के लिए सहारा बनी शादी अनुदान योजना, 74 हजार से अधिक आवेदन आए

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को सम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम उठा रही है।

डॉ अरुण सक्सेना वन मंत्री का आगमन 10 जुलाई को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डॉ अरुण कुमार सक्सेना वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री 10 जुलाई को जौनपुर आ रहे हैं। मंत्री प्रातः 7 बजे लखनऊ से चलकर प्रातः 9,50 पर श्री कमलम कार्यालय मरगुपुर बदलापुर आयेंगे जहां पर बदलापुर विधायक रमेश चन्द मिश्रा के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर, पीली नदी पर वृहद वृक्षारोपण अभियान, एवं पार्टी जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओ से मुलाकात करेंगे। दोपहर 1.30 बदलापुर से प्रस्थान कर दोपहर 2.00 बजे डॉ विवेक श्रीवास्तव साल्वेशन हॉस्पिटल कंधारपुर पहुंचेंगे जहां पर वृक्षारोपण करेंगे और अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 जौनपुरध्कायस्थ समाज जौनपुर द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भाग लेंगे। दोपहर 3.30 पर रूहटा स्थिति भगवान चित्रगुप्त मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे। फिर शाम 3.50 पर सदभावना पुल स्थिति बाबा केरारवीर मंदिर में पूजन दर्शन करने के बाद गोमती नदी तट पर महादेव सेना विमल सिंह , भाजपा नगर अध्यक्ष दक्षिण कमलेश निशाद, भाजपा नगर अध्यक्ष उत्तरी श्रीमती सारिका सोनी द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान में भाग लेंगे । तत्पश्चात उसके बाद शाम 4,30 बजे भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट के सदर चुंगी आवास पर पहुंचेंगे जहां पर विभिन्न संगठनों के लोगो से मुलाकात करेंगे। शाम 5,45 बजे चौकियां धाम में दर्शन पूजन, विकाश पांडा द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान में शामिल होंगे। उसके बाद लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने देते हुए जनपदवासियों से कार्यक्रम में सहभागिता करने का अनुरोध किया।

मंडलायुक्त ने कामीपुर व उदरा पचलाई में किया पौधरोपण'

'रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत लखनऊ मंडलायुक्त रोशन जैकब ने बुधवार को जनपद के विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सर्वप्रथम उन्होंने कछौना विकासखंड के कामीपुर ग्राम में स्थित नगर वन पहुंची जहां उन्होंने नीम, पीपल व बरगद के पेड़ का रोपण किया। जिलाधिकारी अनुमय झा ने मॉलश्री के पौधे का रोपण किया। अपर जिला अधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी ने भी पौध रोपण किया। कामीपुर वन रेंज में पौधरोपण के उपरांत मंडलायुक्त ने आसपास के क्षेत्र से आई हुई महिलाओं को पौधे वितरण किये। उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए जिससे हम अपने पर्यावरण को बेहतर बना सके। हमें अपनी आगे आने वाली पीढ़ी को अच्छा भविष्य देना चाहिए। उन्होंने जिलाधिकारी के साथ कामीपुर वन रेंज को देखा। उन्होंने निर्देश

दिए कि नगर वन में प्रकाश की उचित व्यवस्था की जाये। वाकिंग ट्रैक बनवाया जाये। मैदान में घास लगवाई जाये। भूमि का समतलीकरण कराया जाये। ममता सरोवर में कटाव को रोकने के उपाय किये जाएं। दो सोलर पम्प की व्यवस्था की जाये। कामीपुर वन रेंज के उपरांत वह सुरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत उदरा पचलाई में स्थित मुक्ति वन पहुंची जहां उन्होंने जिलाधिकारी अनुनय झा व मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा के साथ पौधरोपण किया। यहाँ पर उन्होंने आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है। हमें अपनी धरा को हरा भरा बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए ताकि हम आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वच्छ वातावरण छोड़कर जाएं। उन्होंने विभिन्न नस्लों के पौधे वितरित किए। इस अवसर पर एसडीओ फॉरेस्ट अर्चना रावत व फॉरेस्ट रेंजर विनय सिंह जादौन आदि उपस्थित रहे।

लूट की घटना में वांछित तीन बदमाश असलहों के साथ गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के बैजाबाद गांव के पास पुलिस ने सोने की चौन की लूट की घटना में वांछित तीन लूटेरों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार बदमाशों में दो बदमाशों के पास से दो अवैध तमंचा व दो जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया। ज्ञात हो एक जुलाई को विद्यमान सिंह पुत्र स्वर्गीय वंशनारायण सिंह निवासी न्यू कालोनी जगदीशपुर से बदमाशों ने सोने की चौन लूट लिया था।विद्यमान सिंह ने अज्ञात बदमाशों के विरुध्द मुकदमा दर्ज कराया था।थानाप्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह को

मुखबिर से सूचना मिली के वाराणसी लखनऊ राजमार्ग पर ऊक्त गांव के पास ऊक्त घटना में शामिल लूटेरे मौजूद हैं।सूचना मिलते ही थानाप्रभारी श्री सिंह हल्का प्रभारी एस आई संजय कुमार,भगवान यादव,विपुल राय आदि के साथ मौके पर पहुंच गए।वहां पर घरेबन्दी करके तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार बदमाशों में अनिल सरोज पुत्र शोभनाथ सरोज,यज्ञ सरोज पुत्र विनोद सरोज निवासी इमामशाह पुर थाना मड़ियाहूं तथा हुकुमचंद पुत्र रामाश्रय राजभर निवासी कल्याणपुर थाना मड़ियाहूं के पास से दो तमंचा,दो कारतूस,दो मोबाइल, एक बाइक तथा घटना में लूटी गयी सोने की चौन बरामद किया गया। थानाप्रभारी ने बताया कि घटना में चार बदमाश शामिल थे।तीन की गिरफ्तार कर चालान भेज दिया गया है।घटना में शामिल एक बदमाश करन राजभर पुत्र रामाश्रय निवासी कल्याणपुर मड़ियाहूं अभी फरार है।

कमला नेहरू मे महाअभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर। केएनआई पीएसएस के फरीदीपुर परिसर मे बुधवार को वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का कार्य संपन्न हुआ। यह वृक्षारोपण संस्थान प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व मे आयोजित किया गया। इस मौके पर संस्थान प्राचार्य ने बताया कि आज इस परिसर मे 150 से अधिक वृक्षों का आरोपण संस्थान के उपप्राचार्य डॉ.शक्ति सिंह मुख्य अनुशासक सुधांशु प्रताप सिंह कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. नवीन विक्रम सिंह प्राध्यापक डॉ. नीरज सिंह डॉ. अंशुमान सिंह व अन्य प्राध्यापकों एवं आलिशा साक्षी तनु आलोक सहित सैकड़ो विद्यार्थियों ने किया । इस मौके पर संस्थान प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम वृक्षारोपण महाअभियान के तहत सम्पादित हुआ। सम्पूर्ण भारत मे वृक्षारोपण महाअभियान भविष्य का हरित भारत तैयार करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। 9 जुलाई 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार ने वृक्षारोपण 2025 के तहत प्रदेश भर में 37 करोड़ पौधारोपण का संकल्प लिया गया। कमला नेहरु संस्थान मे आज का वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए हरित भारत निर्माण का एक पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम है।

भोर मे हुई बारिश के चलते चारो तरफ शहर हुआ पानी पानी

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बुधवार को भोर से करीब 4 घंटे तक हुई बारिश के चलते रामनगरी के अधिकतर जगहों पर जल भराव ही दिखा। जिसके चलते वहां के स्थानीय लोगों तथा इधर से गुजरने वाले राहगीरों को इस बारिश के पानी से होकर गुजरना पड़ रहा था। वही इस बारिश का पानी कई मोहल्लों में स्थानीय लोगों के घरों के सामने से बह रहा था यहां तक की किसी के मकान के अंदर भी देखा गया। जिसके चलते इन लोगों में तथा इधर से गुजरने वाले राहगीरों में जहरीले जंतु के काटने यह फिर गंदे जल से संक्रमित होने वाले रोगों का भाई साफ—साफ दिखाई दे रहा था। बुधवार की भर से लगातार चार घंटे तक हो रही बारिश के चलते मोहल्लों को तो छोड़िए सरकारी दफ्तरों कचहरी सहित डीएम कार्यालय में भी चारों ओर जल भराव दिखाई दे रहा था। शहर के जलावनपुरा,, देवकली गांव, अमानीगंज कॉलोनी, अश्विनी पुरम कॉलोनी पार्क, देवकाली

तिराहा, लालबाग, वजीरगंज, बेचारा सुल्तानपुर, जनौरा, धनीराम का पुरवा, जय गणेश स्कूल के सामने स्थित मार्ग, के अलावा कई ऐसे मोहल्ले तथा कालोनियां जहां पर बारिश के पानी का जल भराव देखा गया। यहां के लोगों का मानना है कि यह तो अभी थोड़ी सी बारिश का हाल है आने वाले दिनों में इस जगह की बहुत बुरी स्थिति हो जाती है। उन्होंने बताया कि जिसका मुख्य कारण यहां के नालों की साफ सफाई तथा चक होना है, जिस पर नगर निगम अधिकारियों तथा कर्मचारियों का ध्यान नहीं जा रहा। यही हाल शहर की सरकारी कार्यालयों का दिखाई दिया जहां पर इस बारिश के चलते पूरा मैदान जलमग्न हुआ था। शहर की जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, पुलिस लाइन मैदान, कलेक्ट्रेट परिसर, कलेक्ट पर्सन पीडब्ल्यूडी कार्यालय, शिक्षा भवन, पुष्पराज चौराहा मौदहा, कौशलपुरी कॉलोनी शहीद कई मोहल्ले तथा सरकारी कार्यालय में जल भराव दिखाई दिया जिसके चलते यहां पर आने वाले कर्मचारियों के साथ—साथ फरियादियों व स्थानीय लोगों को आने—जाने में काफी दिक्कत हो रही थी।

मंडलायुक्त ने खाद बिक्री केंद्रों का किया निरीक्षण'

'रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जनपद आगमन के दौरान आज बुधवार को मंडलायुक्त रोशन जैकब ने विभिन्न स्थानों में सरकारी खाद बिक्री केंद्रों का निरीक्षण किया। सबसे पहले वह बम्हना खेड़ा स्थित बहुउद्देशीय प्रा0 ग्रामीण सहकारी समिति (बी पैक्स) लिमिटेड के उर्वरक वितरण केंद्र पहुँची। यहाँ पर उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों से उर्वरक की उपलब्धता आदि की जानकारी ली। उन्होंने वितरण रजिस्टर व अन्य दस्तावेज देखे। संबंधित अधिकारियों को उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि आधार कार्ड व खतौनी के बिना उर्वरक वितरित न की जाए। किसानों से संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि उतनी ही उर्वरक क्रय की जाए जितने की आवश्यकता

हो। अतिरिक्त उर्वरक क्रय करके अनावश्यक संग्रह न किया जाए। इसके उपरांत उन्होंने संडीला में सहकारी क्रय विक्रय समिति लिमिटेड के इफको खाद बिक्री केंद्र का निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने स्टॉक रजिस्टर व वितरण रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों का नियमित रखरखाव किया जाए। स्टॉक रजिस्टर व वितरण रजिस्टर को प्रतिदिन अद्यतन किया जाए। उन्होंने किसानों से भी संवाद किया। जिलाधिकारी अनुनय झा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि खाद बिक्री केंद्रों पर व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी संडीला अरुणिमा श्रीवास्तव व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नामअभियान के तहत पूर्व विधायक ने किया पौधरोपण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के सिरकोनी विकास खण्ड क्षेत्र के नाथुपुर ग्राम पंचायत में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए श्एक पेड़ मां के नामश अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ हरेन्द्र प्रसाद सिंह ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। पौधरोपण अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू किए गए श्एक पेड़ मां के नामश अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाना और हरित भारत की दिशा में योगदान देना है।पौधरोपण में नीम, पीपल, बरगद, आम, अमरूद सहित सैकड़ो पौधे लगाये गए।डॉ सिंह ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्ष अनिवार्य है।

उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इन पौधों की देखभाल को अपनी जिम्मेदारी समझें और इसे एक सामाजिक दायित्व के रूप में अपनाएं।ग्राम प्रधान श्रीमती सुचिता सिंह,प्रभारी एडीओ पंचायत रत्नेश सोनकर भाजपा अरविंद सिंह,शिवआसरे सिंह, सरोज,प्रभारी एडीओ पंचायत रत्नेश सोनकर आदि ने भी पौधरोपण किया।गांव के लोग काफी सक्रिय रहे।

’दंपति से लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार’

'रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली—(हरदोई)' पुलिस अधीक्षक हरदोई के निर्देशानुसार अतिशीघ्र सफल अनावरण हेतु अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के नेतृत्व में सवायजपुर कोतवाली अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी हरपालपुर के साथ प्रभारी सवायजपुर मय पुलिस बल,क्षेत्राधिकारी शाहाबाद की टीम व स्वाट्स सर्विलांस टीम के साथ बुधवार को संयुक्त टीम के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में जनपदीय दो शातिर अभियुक्तों को अवैध शस्त्रों ,घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व नगदी सहित गिरफ्तार कर लिया गया। आपको बता दें कि 06 जुलाई 2025 को एक महिला फूलकुमारी पत्नी रामकिशन निवासी ग्राम बेहटियन पुरवा थाना लोनार अपने पति रामकिशन के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम घोडीधर थाना सवायजपुर जा रही थी जहाँ रास्ते में सवायजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम महरेपुर के निकट मोटरसाइकिल सवार 02 व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त फूलकुमारी से कुंडल छीना गया जिससे मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फूलकुमारी गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। जिनको उपचार हेतु लखनऊ रेफर किया गया। इस संबंध में वादी की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर थाना सवायजपुर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा 60 किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र छाना गया। पुलिस टीम सवायजपुर क्षेत्र के अंतर्गत वृन्दावन तिराहे पर पुलिस मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि संबंधित अभियुक्त गण मोटरसाइकिल से संझारा की तरफ से गंगा एक्सप्रेस वे के बगल में बने कच्चे रास्ते से मुबारक पुर की ओर आ रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम को मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति आते दिखाई दिये। पुलिस टीम द्वारा उनको रोकने का प्रयास किया गया जिसपर मोटरसाइकिल सवारों ने अपने को घिरा पुलिस से देखकर पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी और भागने का प्रयास किया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ फायरिंग की गई जिसमें अभियुक्त सचिन पुत्र सुरेंद्र ,व सचिन पुत्र रामसुसीर निवासीगण ग्राम नयागांव गोधाई थाना कोतवाली देहात जनपद हरदोई गोली लगने से घायल हो गए। जिन्हें मौके से घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया तथा मुठभेड़ के दौरान थाना सवायजपुर पर तैनात उपनिरीक्षक शिवशंकर मिश्रा घायल हो गए। अभियुक्तों के कब्जे से 02 अदद तमंचे 315 बोर व एक अदद खोखा कारतूस 315 बोर, 01 अदद मिस कारतूस 315 बोर,दो अदद जिंदा कारतूस 315 बोर ,01 अदद घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व 5200 रुपये नगदी बरामद की गई। घायल अभियुक्तों व पुलिस कर्मी को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सवायजपुर ले जाया गया। अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

साकेतपुरी में महापौर ने नगर आयुक्त के साथ किया पौधरोपण

डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बुधवार को नगर निगम ने साकेतपुरी में समारोह पूर्वक पौधारोपण करने के साथ ही नगर को हरा भरा बनाने के लिए अभियान चलाया।इस अभियान मे महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने साकेतपुरी कॉलोनी में नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ पौधरोपण किया।इस मौके पर अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार, पार्षद प्रतिनिधि मंसूर खान,सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एपी भार्गव, भाजपा नेता केके मिश्र पप्पू, हरिश्चंद्र शुक्ल आदि मौजूद थे।महापौर ने कहा कि हर किसी को अपनी मां के नाम

पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम रामनगरी को हरा भरा बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडे ने बताया कि नगर के 64 पार्कों के साथ ही चार वाटिकाओं में पौधारोपण किया जाएगा।उन्होंने बताया कि 61700 पौधों को रोपने का लक्ष्य रखा गया है।

देश भर के 27 लाख बिजली कर्मचारी आज निजीकरण के विरोध में एकजुट

देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर।। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर देश भर के 27 लाख से अधिक बिजली कर्मचारियों एवं अभियंताओं ने एकजुट होकर बिजली के निजीकरण के खिलाफ सांकेतिक हड़ताल की। उत्तर प्रदेश में इस आंदोलन को जबरदस्त समर्थन मिला, जहां एक लाख से अधिक बिजली कर्मचारी, संविदा कर्मी, जूनियर इंजीनियर और अभियंता कार्य स्थलों और कार्यालयों के बाहर जनजागरूकता और विरोध प्रदर्शन में पूरे दिन सम्मिलित रहे। यह हड़ताल महज एक दिन की नहीं, बल्कि सरकार की जनविरोधी और कॉर्पोरेटपरस्त नीतियों के खिलाफ एक जनसंघर्ष का उद्घोष है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के फैसले ने प्रदेश के लाखों बिजली कर्मचारियों में असंतोष की लहर पैदा कर दी है। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी वेतन या सुविधा की मांग नहीं है, बल्कि यह आम जनता की सस्ती, सुलभ और भरोसेमंद बिजली सेवा को बचाने की लड़ाई है। निजीकरण से न केवल कर्मचारियों की आजीविका संकट में आएगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी महंगी और अनिश्चित बिजली सेवा का सामना करना पड़ेगा। इस ऐतिहासिक हड़ताल में बिजली क्षेत्र के अतिरिक्त रेल, बैंक, बीमा, बीएसएनएल, डाक, सार्वजनिक उपक्रम, निजी उद्योग और केंद्र व राज्य सरकारों के विभागों से जुड़े लगभग 25 करोड़ मजदूरों और कर्मचारियों ने भी अपना समर्थन और एकजुटता दर्ज की।

मंदिरों से घंटा चोरी करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,0। सुजानगंज थाना अंतर्गत तीन थानों की पुलिस व एसओजी टीम के साथ मंगलवार देर रात हुए मुठभेड़ में मंदिरों से कीमती धातु की मूर्तियां व घंटों को चोरी करने वाले दो शातिर चोरों के साथ हुई मुठभेड़ में में एक चोर के पैर में गोली लगी है। एक अन्य को भागने के दौरान गिरफ्तार किया गया है इसके साथ ही चोरी का सामान खरीदने वाले एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। बुधवार को घटना का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि थाना सुजानगंज,तेजी

बाजार, खुटहन व एसओजी टीम ने बीती रात सुजानगंज थाना अंतर्गत चेकिंग के दौरान दो मोटरसाइकिल सवार चार व्यक्ति आते दिखाई दिए पुलिस ने इन्हें रोकने का प्रयास किया,लेकिन यह भागने लगे तथा पुलिस टीम पर फायरिंग कर दिया।जबाबी फायरिंग में पुलिस की गोली से एक बदमाश घायल हो गया।एक बदमाश को भागते समय पुलिस ने पकड़ लिया।जबकि मौके से अंधेरे का लाभ लेकर दो बदमाश फरार हो गए।इनके पास से पुलिस ने तमंचा,कारतूस,दो मोटरसाइकिल,एक मैजिक गाड़ी जिसमे चोरी का माल बेचने जा रहे थे, व मंदिरों से चोरी किये गए 85 घंटे सहित 2800/— रुपये नगद बरामद किया है।

बरामद पीतल के बेशकीमती घंटो का बजन लगभगएक कुंतल से अधिक है।इसके साथ ही बाजार में इनकी कीमत एक लाख से अधिक आंकी गयी है।

पकड़े गए शातिर चोरों पर पूर्व में भी जनपद व अन्य कई जनपदों में विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज है।यह जौनपुर के अलावा सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ तथा अन्य आस पास के जनपदों से मंदिरों को निशाना बनाया करते थे।

गिरफ्तार अभियुक्तों में बृजेश गौतम पुत्र फूलबन्द गौतम निवासी ग्राम कोटिला मुरादपुर थाना बदलापुर जौनपुर (घायल), प्यारे तात पुत्र गिरधारी तात निवासी नरवारी थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ़ (गिरफ्तार) ,हरि श्याम अग्रहरि पुत्र श्याम नारायण अग्रहरि थाना कोईरीपुर थाना चांदा सुल्तानपुर (गिरफ्तार) जबकि मौके से रिकू पण्डित पुत्र राम प्रकाश दूबे निवासी ग्राम पिलकिछा थाना खुटहन जनपद जौनपुर एवं अरुन तात पुत्र छोटे तात निवासी बरचौली (रामगंज थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ़ फरार है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

पंद्रह जुलाई को होने वाली एलएलबी प्रवेश परीक्षा प्रथम सेमेस्टर 2025 अपरिहार्य कारणों से टली

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।15 जुलाई को होने वाली एलएलबी प्रवेश परीक्षा प्रथम सेमेस्टर 2025 अपरिहार्य कारणों से टल गई।अब यह प्रवेश परीक्षा होगी 24 जुलाई को, साकेत महाविद्यालय केंद्र पर आयोजित की जाएगी।प्रवेश परीक्षा मे शामिल होने वाले अभ्यर्थी महाविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश परीक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी एलएलबी प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो अशोक कुमार राय ने दी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार—पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।